तुझे चलना है कोरोना योद्धाओ को समर्पित

चाहे धूप हो या छाओं हो,
चाहे शहर हो या गाओं हो,
हो राह में कठिनाइयां,
हों हर तरफ तनहाइयाँ,
मंज़िल दिखे या ना दिखे,
शोहरत मिले या ना मिले,
मुश्किल भरे हर हाल में,
तुझे ढलना है,
तुझे चलना है,
तुझे चलना हैं।bd।

माना मुश्किल हालात हैं,
रोते हुए जज़्बात है,
एक दूसरे का गर साथ है,
तो जीत की क्या बात है,
हारेगा न तो हौसला,
तू तय करेगा फासला,
हाथों को थाम कर हाथ में,
सम्हलना है,
तुझे चलना हैं,
तुझे चलना हैं।bd।

चाहे धूप हो या छाओं हो,
चाहे शहर हो या गाओं हो,
हो राह में कठिनाइयां,
हों हर तरफ तनहाइयाँ,
मंज़िल दिखे या ना दिखे,
शोहरत मिले या ना मिले,
मुश्किल भरे हर हाल में,
तुझे ढलना है,
तुझे चलना है,
तुझे चलना हैं।bd।

Lyrics & Composition – Dr. Rajeev Jain
8136086301

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com